

## बिहार में 454 किलोमीटर फोर लेन को केंद्र की मंजूरी

### चर्चा में क्यों?

- 25 अप्रैल, 2023 को मीडिया से मली जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार ने बिहार में 454 किलोमीटर के चार नये फोरलेन को मंजूरी दे दी है। ये फोरलेन वभिन्न इलाकों से होकर गुजरेंगे।

### प्रमुख बटि

- भारत नेपाल सीमा से सटे वाल्मीकनगर से झारखंड सीमा के हरहिरगंज तक बिहार में 454 किलोमीटर का एक नया फोरलेन होगा। ये फोरलेन पटना के नौबतपुर से हरहिरगंज तक 143 किलोमीटर नेशनल हाईवे 98 को केंद्र ने फोरलेन में कनवर्ट करने की मंजूरी दी है।
- वदिति है कअभी नेशनल हाईवे 98 की चौड़ाई कुल दो लेन की है। इस हाइवे पर गाड़ियों का दबाव बहुत ज्यादा है। सोन नदी के पूरवी छोर से बलिकुल पास होकर गुजरता ये नेशनल हाइवे बकिरम-अरवल-औरंगाबाद और अंबा होते हुए हरहिरगंज तक जाता है।
- झारखंड राज्य के पश्चिमी छोर के गढ़वा - डालटेनगंज और छत्तीसगढ़ तक जाने वालों के लिये ये एक बलिकुल सुगम रास्ता है, जसिकी वजह से इस हाईवे पर गाड़ियों का दबाव लगातार बना रहता है।
- जानकारी के मुताबिके केंद्र सरकार ने अब इस नेशनल हाईवे को 4 लेन बनाने के लिये डीपीआर तैयारी करने की मंजूरी दी है। साथ ही इसके लिये एक करोड़ 38 लाख की राशअभी स्वीकृत कर ली गई है।
- पटना से बेतयिा तक पाँच हज़ार छह सौ करोड़ की लागत से 195 किलोमीटर लंबा फोरलेन हाईवे का नरिमाण शुरू है। ये नेशनल हाईवे बुद्ध सर्कटि का मुख्य हसिसा है। इसी हाईवे के कनारे केसरयिा का बौद्ध स्तूप भी है।
- जेपी सेतु के बगल में पटना के दीघा से सोनपुर के बीच दो हज़ार 636 करोड़ की लागत से सवा तीन साल में बनने वाले 6 लेन ब्रजि का टेंडर हो चुका है। इसके अलावा सोनपुर मानकिपुर में गंडक नदी पर सारण के कोन्हारा घाट से वैशाली के जलालपुर के बीच पुल बनाने के लिये 868 करोड़ का टेंडर हो चुका है। जनि हसिसों का टेंडर होना बाकी है, उसमें मानकिपुर से साहेबगंज, साहेबगंज से अरेराज, अरेराज से बेतयिा शामिल हैं। इन तीनों हसिसों की कुल लागत दो हज़ार 159 करोड़ होने वाली है।
- इस नये फोरलेन के बनते ही वाल्मीकनगर से हरहिरगंज तक का सफर 11 घंटे से घटकर मात्र 6 घंटे का रह जाएगा। इसके अलावा झारखंड के पश्चिमी इलाके पलामू, चपतरा से नेपाल पूरी तरह सीधी तौर पर जुड़ जाएगा। इससे दुलाई में काफी सुवधि होगी। इसका लाभ बिहार और झारखंड के व्यापारियों को होगा।
- ये लेन आगे वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे से भी सीधे जुड़ जाएगी। जसिसे व्यापारियों को माल ले जाने और ले आने में सुवधि होगी। इसके अलावा सलीगुड़ी और असम की तरफ जाना पहले से ज्यादा आसान हो जाएगा।
- सोनपुर से अरेराज तक गंडक नदी के पश्चिमी कनारे की तरफ भी फोर लेन का नरिमाण होगा, जसिसे सारण कमशिनरी के दो ज़लि सारण और गोपालगंज के दयिारा इलाके में आवागमन सुगम होगा।